भौतिक शास्त्र एवं कृषि मौसम विज्ञान विभाग
जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
कृषि मौसम सलाह सेवाएँ
(Project Sponsored by IMD, MoES, New Delhi)

सलाहकार समिति के सदस्यः डॉ. डी. पी. शर्मा, डी. ई. एस., सस्य विज्ञान डॉ. अनय रावत, फल विज्ञान –डॉ. रीना नायर, सब्जी विज्ञान – डॉ. प्रियंका दुबे, कीट विज्ञान – डॉ. एस. बी. दास, पौध रोग विज्ञान –डॉ. आशीष गुप्ता, कृषि मौसम विज्ञान – डॉ. मनीष भान, पशु विज्ञान – डॉ. अनिल सिंदे

वर्ष–2021	अंक–70	दिनांक 06 से 10 अक्टूबर 2021	दिनांकः 05.10..2021

(जिला जबलपुर के लिए जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर एवं मौसम केन्द्र भोपाल द्वारा संयुक्त रूप से जारी)

आगामी पॉच दिनो का मौसम पूर्वानुमानः–

भारत सरकार के भारत मौसम विज्ञान विभाग भोपाल से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जबलपुर तथा इसके आस–पास के क्षेत्रों में आगामी 5 दिनों में आसमान घने बादल रहने एवं 35.0 मिमी. वर्षा होने की संभावना है। हवा 6.1 से 9.7 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से विभ्नि दिशाओं से चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 35.0 से 37.0 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 23.0–24.0 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का पूर्वानुमान है।

मैसमी तत्व /दिनॉंक	06/10/2021	07/10/2021	08/10/2021	09/10/2021	10/10/2021
वर्षा (मि.मी.)	18	17	0	0	0
अधिकतम तापमान (डि.से.)	35	35	36	36	37
न्यूनतम तापमान (ड़ि.से.)	24	24	23	23	23
आपेक्षित आद्रता (सुबह)	84	83	79	75	74
आपेक्षित आद्रता (षाम)	59	55	52	50	50
हवा की गति (कि.मी./घण्टा)	7.2	6.7	6.1	6.6	9.7
हवा की दिशा	उत्तर–पूर्व	पूर्व	दक्षिण	दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम
बादलों की स्थिति	घने	घने	घने	घने	हल्के

मौसम आधारित साप्ताहिक कृषि परामर्ष दिनांक 06 से 10 अक्टूबर 2021

सामान्य सलाह	• आने वाले 5 दिनों में जबलपुर जिले में 6 एवं 7 अक्टूबर को वर्षा की संभावना है। • खेतों में सतत निरीक्षण करें एवं बीमारियॉं अथवा कीट दिखने पर निम्नानुसार प्रबंधन के उपाय करें। • किसान भाई कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव वर्षा होने की संभावना के दिन न करें।
मटर	• इस मौसम में अगेती मटर की बुवाई कर सकते हैं। उन्नत किस्में– पी.एस.एम–3, काशी नन्दनी बीजों को कवकनाशी केप्टान या थायरम / 2 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से मिलाकर उपचार करें उसके बाद फसल विशेष राईजोबियम का टीका अवश्य लगायें। गुड़ को पानी में उबालकर ठंडा कर ले और राईजोबियम को बीज के साथ मिलाकर उपचारित करके सूखने के लिए किसी छायेदार स्थान में रख दे तथा अगले दिन बुवाई करें।
धान (फूल अवस्था):	• खेत में जल संरक्षण करें एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। • फसल में इस समय पत्ती मोड़क या तना छेदक कीटों के नियंत्रण हेतु फिरोमोन प्रपंच @ 3–4 प्रति एकड़ लगाएं। • धान में तना छेदक के नियंत्रण के लिए बाईफेन्थ्रीन 10% EC @ 500 ml प्रति हैक्टेयर या कार्टेपहाइड्रोक्लोराइड 50% sp एक लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। • इस मौसम में धान की फसल को नष्ट करने वाली ब्राउन प्लांट होपर का आक्रमण आरंभ हो सकता है अतः किसान खेत के अंदर जाकर पौध के निचली भाग के स्थान पर मच्छरनुमा कीट का निरीक्षण करें। यदि कीट का प्रकोप अधिक है तो पायेमेट्राजीन 50% डब्लूजी @ 300ग्रम/हे. की दर से छिड़काव आसमान साफ होने पर करें। • इस मौसम में किसान धान के ब्लास्ट (बदरा) रोग का आक्रमण होने की निगरानी हर 2 से 3 दिन के अंतराल पर करें। इस रोग का सूचक है पत्तियों में एक छोटी ऑंख जैसा धब्बा जिसका अंदर का भाग हल्का भूरा और बाहर गहरे भूरे रंग का होता है। आगे जाकर अनेक धब्बे मिलकर एक बड़ा धब्बा बन जाता है।
सोयाबीन	• सोयाबीन फसल की कटाई के पश्चात शेड के नीचे सुखाऍं । वर्षा की स्थिति को देखते हुए कटी फसलों को नमी से बचाऍं ।
अरहर (वनस्पतिक अवस्था):	• खेतों में पक्षियों के बैठने हेतु ‘T’ आकार की खूटियॉं लगाऍं।
फलदार वृक्ष (फूलीय से फल अवस्था)	• वृक्षों के आसपास नींदा नियंत्रण करें। • नये बगीचों में रोपित पौधों के सहारे के लिए लकड़ियॉं लगा दें । • वर्षा की सम्भावना को ध्यान में रखते हुए सड़ी खाद की पहली अनुषंसित मात्रा का उपयोग करें। एवं वृक्षों में समतल थाला बनाऍं।
सब्जियां	• दलहनी सब्जियों जैसे बरबटी में सूखा कीट अथवा अधिक तापमान में दीमक लगनेकी संभावना है। सूखा कीट से बचाव हेतु Emamectin 1.9 sc 0.5 मिली लीटर पानी का छिड़काव करें। • माहू के प्रकोप से बचाव हेतु neem soap (1.0 %) अथवा neem seed kernel extract (4.00 %द्ध का छिड़काव करें। • भिंडी की फसल में पीत शिरा रोग के लक्षण दिखना प्रारंभ हो गये है यह वायरस जन्य रोग है। अतः इसकी रोकथाम के लिए फोलिडाल 1मिली/लीटर अथवा क्लोरोपायरीफोस 2.5 मिली/लीटर का छिड़काव करें। • इस मौसम में किसान अपने खेतों की नियमित निगरानी करें। यदि फसलों व सब्जियों में सफेद मक्खी या चूसक कीटों का प्रकोप दिखाई दें तो इमिडाक्लोप्रिड दवाई 1.0 मि. ली.द्द3 लीटर पानी में मिलाकर छिड़-काव आसमान साफ होने पर करें। • इस मौसम में सब्जियों (मिर्च, बैंगन) में यदि फल छेदक, शीर्ष छेदक एवं फूलगोभी व पत्तागोभी में डायमंड़ बेक मोथ की निगरानी के लिए फीरोमोन प्रपंच 4–6 प्रति एकड़ की दर से लगाए तथा प्रकोप अधिक हो तो स्पेनोसेड़ दवाई 1.0 मि.ली. 4 लीटर पानी में मिलाकर छिड़-काव आसमान साफ होने पर करें।

	• मिर्च तथा टमाटर के खेतों में विषाणु रोग से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दें। यदि प्रकोप अधिक है तो पायेमेट्राजीन 50% डब्लूजी @ 300ग्रम/हे. की दर से छिड़काव आसमान साफ होने पर करें ।
पशु एवं मुर्गी पालन	• सभी पशुओं को छाया एवं हवादार जगह में रखें,। • बरसांत के मौसम में पशुओं को हरी घास के साथ, सुखा चारा एवं अनाज भी खिलाए सिर्फ हरी घास खिलाने से पेट में अफरा हो सकता है। • पशुओं में ऐसे मौसम में किलनी न होने दे इसलिए परजीवी नाशक दवाई का पशुओं के शरीर एवं बाढ़े के स्प्रे करें। • पशुओं एवं मुर्गियों मे अतः कृमि नशक दवाई पिलाएं।

टेकनीकल आफीसर

दिनांकः 05 अक्टूबर 2021